

प्रेषक,
अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,
निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
देहरादून।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून : दिनोंक : 21 फरवरी, 2004

विषय :- उत्तरांचल संस्कृति साहित्य एवं कला परिषद की प्रथम बैठक दिनोंक 23 फरवरी, 2004 के आयोजन हेतु धनराशि के अग्रिम आहरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-138/ संस्कृति विभाग/2003 दिनोंक 30 नवम्बर, 2003 एवं आपके पत्रांक-1408/सं0नि0उ0/दो-6/03-04 दिनोंक 20 फरवरी, 2004 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उपरोक्त शासनादेश से 06-साहित्य कला परिषद स्थापना -20-सहायक अनुदान/ अशदान/ राज सहायता मद में आवंटित धनराशि रुपये 5.00 लाख में से श्री राजयपाल महोदय उत्तरांचल संस्कृति साहित्य एवं कला परिषद की प्रथम बैठक दिनोंक 23 फरवरी, 2004 में भाग लिये जाने हेतु परिषद में शासन द्वारा नामित विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले विभिन्न विद्वानों/ कलाकारों के भोजन/आवास एवं अन्य व्ययों के वहन हेतु रुपये 1.00 लाख (रुपये एक लाख मात्र) की धनराशि को अग्रिम के रूप में आहरण कर व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- 'धनराशि का भुगतान वास्तविक बिल के आधार पर बाद में समायोजित किया जायेगा एवं यह सुनिश्चित किया जायेगा कि किसी भी मद में दोहरा भुगतान न हो।

3- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्यय मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 संख्या- 2197 /वि0अनु0-2/2004 दिनांक 21 फरवरी, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।

पू0प0संख्या- /सं0वि0/2004-17 (संस्कृति) 2003, तददिनांकित।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव, वित्त, उत्तरांचल शासन।
- 5- निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर।
- 6- वित्त अनुभाग-2।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।